

महानिर्वाण पुं. (तत्.) वह स्थिति जिसमें जीव की सत्ता का पूर्ण नाश हो जाता है, बौद्धों में इसके अधिकारी केवल अर्हत् या बुद्धगण माने गए हैं।

महानिशा स्त्री. (तत्.) 1. रात्रि का मध्य भाग 2. प्रलय की रात 3. दुर्गा।

महानीच पुं. (तत्.) धोबी, रजक।

महानील पुं. (तत्.) 1. भृंगराज पक्षी 2. एक प्रकार का बढ़िया नीलम 3. एक प्रकार का गुग्गुलु 4. एक प्रकार का साँप 5. एक प्राचीन पर्वत 6. सौ नील की संख्या।

महानुभाव पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा व्यक्ति 2. उच्च विचारवाला तथा सत्यनिष्ठ व्यक्ति।

महानुभावता स्त्री. (तत्.) महानुभाव होने की अवस्था या भाव।

महानृत्य पुं. (तत्.) 1. तांडव नृत्य 2. शिव।

महानेत्र पुं. (तत्.) शिव।

महान्यायवादी पुं. (तत्.) आज-कल विधिक क्षेत्र में, किसी राज्य या राष्ट्र का वह प्रधान अधिकारी जिसे लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाइयाँ करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त हो।

महापंक पुं. (तत्.) बहुत बड़ा पाप, महापाप।

महापंचमूल पुं. (तत्.) वैद्यक में, बेल, अरनी, सोनापाड़ा, काश्मरी और पाटला इन पाँचों वृक्षों की जड़ों का समाहार।

महापंचविष पुं. (तत्.) वैद्यक में शृंगी, कालकूट, मुस्तक, बछनाग और शंखकर्णी इन पाँचों विषों की जड़ों का समाहार।

महापंचागुल पुं. (तत्.) लाल अंडी या रेंड का वृक्ष।

महापक्ष पुं. (तत्.) 1. गरुड़ 2. एक प्रकार का राजहंस वि. 1. बड़े बड़े परोवाला 2. जिसके पक्ष या दल की संख्या बहुत अधिक हो।

महापक्षी पुं. (तत्.) उल्लू।

महापथ पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा लंबा, चौड़ा मार्ग 2. महाप्रस्थान का पथ वि. प्राचीन काल में

मनुष्य स्वर्ग-प्राप्ति के उद्देश्य से हिमालय की किसी ऊँची चोटी पर जाते थे और उस पर से कूदकर प्राण त्यागते थे, ऐसी चोटी के पथ या मार्ग को महापथ कहते थे 3. स्वर्गारोहण का साधन अर्थात् मृत्यु 4. केदारनाथ और उसकी यात्रा 5. एक नरक।

महापथ-गमन पुं. (तत्.) मरण, मृत्यु।

महापथिक पुं. (तत्.) प्राचीन काल में वह व्यक्ति जो स्वर्ग-रोहण की दृष्टि से हिमालय पर्वत पर जाता था।

महापद्म पुं. (तत्.) 1. कुबेर की नौ निधियों में से एक निधि 2. कुबेर का अनुचर एक किन्नर 3. आठ दिग्गजों में से एक दिग्गज जो दक्षिण दिशा में स्थित है 4. हाथियों की एक जाति 5. एक प्रकार का फनदार साँप 6. एक प्रकार के दैत्य 7. सफेद कमल 8. महाभारत काल का एक जलाशय 9. जैनों के अनुसार महाहिमवान् पर का एक जलाशय 10. सौ पद्म की संख्या 11. मगध के नंदवंश का अंतिम सम्राट्।

महापवित्र पुं. (तत्.) विष्णु।

महापातक पुं. (तत्.) बहूत बड़ा तथा घोर पाप, जिसके फल-भोग के लिए मनुष्य को नरक में जाना पड़ता है।

महापातकी पुं. (तत्.) वह जिसने महापातक किया हो।

महापात्र पुं. (तत्.) 1. ब्राह्मण जो मृत व्यक्ति का दाह कर्म करता है तथा उसके संबंधियों से श्राद्ध का दान लेता है, महाब्राह्मण 2. महामंत्री, महामात्य पुं. शिव।

महापालिका स्त्री. (तत्.) 1. प्रमुख तथा अधिक जनसंख्या वाले नगर की स्वायत्त शासनिक इकाई, जिसे नगरपालिका की अपेक्षा अधिक अधिकार प्राप्त होते हैं 2. नगर-महापालिका द्वारा शासित भू-भाग। city corporation

महापाश पुं. (तत्.) पुराणानुसार एक प्रकार के यमदूत।